SUNCITY SCHOOL
sadaiva agrani
B-Block, Greenwoods City, Sector-45, Gurugram

हिंदी उत्सव

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।
बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल।

हमारे देश में हिंदी दिवस हर साल १४सितम्बर को मनाया जाता है। इस दिन संविधान सभा ने एक मत से यह निर्णय लिया कि **हिंदी ही भारत की राजभाषा** होगी। इसी महत्वपूर्ण निर्णय को प्रतिपादित करने तथा हिंदी को हर क्षेत्र में प्रसारित करने के लिए **सनसिटी विद्यालय प्रांगण** में विशेष सभा **हिंदी उत्सव** का आयोजन किया गया। जिसके माध्यम से छात्र – छात्राओं को हिंदी के प्रति सम्मान और दैनिक व्यवहार में हिंदी का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

हिंदी दिवस की विशेष सभा को प्रार्थना से प्रारम्भ किया गया तथा गायत्री मंत्र का उच्चारण किया गया। हिंदी में आज का शब्द व सुविचार प्रस्तुत किए गए। हिंदी से ओत – प्रोत गीत ने सभा की छटा ही निराली बना दी। छात्रों की मधुर वाणी में जैसे स्वयं माँ सरस्वती का आशीर्वाद था। तत्पश्चात् हिंदी की महिमा व योग के महत्व का साक्षात कराने हेतु छात्रों ने एक अत्यंत मनमोहक लघु नाटिका प्रस्तुत की तथा अभिनय के साथ – साथ शारीरिक व्यायाम की ओर भी ध्यान आकर्षित किया।

विद्यालय प्रभारी आदरणीय श्रीमती नंदिता महोदया जी को मंच पर बुलाते हुए सूत्रधार ही नहीं अपितु अन्य छात्र भी अत्यंत उत्सुक प्रतीत हुए। महोदया जी के हिंदी प्रेम व जादुई शब्दों ने मानो छात्रों की ऊर्जा में जैसे प्राण फूँक दिए। इसी के साथ उन्होंने छात्रों का मनोबल बढ़ाया तथा पिछले वर्ष ओलंपियाड में विजेता रहे छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। छात्रों के लिए महोदया जी द्वारा कहे शब्द अविस्मरणीय थे, जो सदैव उनके मस्तिष्क पटल पर अंकित रहेंगे व एक सफल भविष्य में उनका मार्गदर्शन करने में सहायक सिद्ध होंगे। सभा का समापन राष्ट्रीय गान से हुआ। **हिंदी उत्सव** विशेष सभा का सफल समापन छात्रों के परिश्रम की एक झलक रही।

विद्यार्थियों की कलम से

विद्यार्थियों ने **हिंदी उत्सव** में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। सभी कक्षाओं में रोचक गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने अद्भुत प्रदर्शन करते हुए **हिंदी उत्सव 'अनुपम'** का भरपूर आनंद लिया व अपने मनमोहक प्रदर्शन से मन मोह लिया। प्रस्तुति के आधार पर सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए, उन्हें क्रमशः प्रथम, द्वित्य तथा तृतीय स्थान प्रदान किए गए व कक्षा अनुसार प्रणाम कुछ इस प्रकार रहे –

कक्षा –१ से ४ कक्षा- पहली 'अ' कक्षा- पहली 'ब' कक्षा- पहली 'स'	प्रथम स्थान क्रियान कौशिक अध्विक भारद्वाज अधरितगोयल व अर्शिया यादव	द्वित्य स्थान लक्ष्य भारद्वाज शिवाली सागर कीशा पाल दिनकर	तृतीय स्थान एलिज़ा दहिया शनाया कथुरिया गौरांवी शर्मा
कक्षा- दूसरी	श्रेयांश यादव व स्पर्श मुंजाल	रेयांश शर्मा व जसराज मोहन सिंह सूद	अतिक्ष खंडेलवाल, अबीर भारद्वाज व अनन्या कक्कड़
कक्षा- तीसरी	हीया कौशिक व कृत्विक गोरिया	रेयांश अरोड़ा व स्मायरा चिकारा	मनित गिरधर निर्बान चावला व आश्वी त्रिपाठी
कक्षा- चौथी 'अ'	अथर्व कालरा व पियांश जैन	फ़िज़ा शर्मा व रेयांश सहरावत	विहान अलरेजा व काव्या अरोड़ा
कक्षा- चौथी 'ब'	कियान सिंह व अंकना अग्रवाल	जेनिशा राणा व अराध्या कालरा	विराज अंबावत , इनाया मुद्देसर व एकाक्ष गुप्ता

अतः एक भाषा के रूप में हिंदी न केवल भारत की पहचान है अपितु यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक ,संप्रेक्षक और परिचायक भी है। अतः निसंदेह यह राजभाषा की सच्ची अधिकारिणी है ।

हिंदी भाषा नहीं, भावों की अभिव्यक्ति है।
यह मातृभूमि पर, मर मिटने की भक्ति है।

अतः इसी भावना के साथ **हिंदी उत्सव 'अनुपम'** का समापन हुआ।
प्रेषित सूचना
हिंदी विभाग